Literacy for a Billion

Movie: Khandan
Year: 1965

Song: Neel Gagan Par
Lyricist: Rajinder Krishan

नील गगन पर उड़ते बादल
आ... आ... आ...
धूप में जलता खेत हमारा
कर दे तू छाया
छुपे हुए ओ चंचल पंछी
जा...जा... जा...
देख अभी है कच्चा दाना
पक जाए तो खा
नील गगन पर उड़ते बादल
आ...
धूप में जलता खेत हमारा
कर दे तू छाया
छुपे हुए ओ चंचल पंछी ओ
जा...जा... जा...
देख अभी है कच्चा दाना
पक जाए तो खा

बहता-बहता क्यारियो में
ठंडा ठंडा पानी
बहता-बहता क्यारियो में
ठंडा ठंडा पानी
चूम न ले कहीं पाँव तेरे
ओ खेतों की रानी
चूम के मैले पाँव मेरे
वो भी होगा मैला

मैं हूँ खेतों की दासी
तू खेतों का राजा
नील गगन पर उड़ते बादल
आ... आ... आ...
धुप में जलता खेत हमारा
कर दे तू छाया

हरीभरी इन खेतियों की
राम करें रखवाली
हरीभरी इन खेतियों की
राम करें रखवाली
ओ चाहे तो लाखों दाने
देगी इक-इक बाली
मेहनत करने वालों की सुनता है
वो ऊपरवाला
खोल के रखियों अपनी झोली
भर देगा दाता
छुपे हुए वो चंचल पंछी
जा...जा... जा...
देख अभी है कच्चा दाना
पक जाए तो खा
नील गगन पर उड़ते बादल
आ... आ... आ...
धूप में जलता खेत हमारा
कर दे तू छाया

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.